पाठ 14. नन्ही किरणें

कविता का उद्देश्य बच्चों को संचय की शक्ति और कर्म का महत्व समझाना है। एक-एक वस्तु को जोड़कर सफलता पाने की बात समझाकर बच्चों को आशावादी बनने की प्रेरणा देना है। अभ्यास कार्य में आए प्रश्नों से बच्चों का शब्द-ज्ञान बढ़ाना तथा वर्तनी का अभ्यास कराना है।

पाठ की भूमिका

संचय करने अर्थात जोड़ने से होने वाले लाभ की ओर बच्चों का ध्यान खीचें। संचय क्यों आवश्यक है, इसपर चर्चा करें। भिन्न-भिन्न वस्तुओं व आदतों के संचय से होने वाले लाभ पर चर्चा करें। जैसे–अच्छी पुस्तकों का संचय हमें ज्ञान देता है। हमारा मनोरंजन करता है। हमारा सबसे अच्छा साथी बनता है। अकेलेपन को दूर करता है। खाली समय बिताने में सहायता करता है। भविष्य को सँवारता है। दूसरों से श्रेष्ठ व भिन्न बनाता है। इसी प्रकार किसी और उदाहरण को लेकर बच्चों से पूछें कि इसका संचय करने से क्या-क्या लाभ व हानियाँ संभव हैं।

पाठ का परिचय

प्रस्तुत कविता हमें संचय के महत्व को समझाती है। सूरज अपनी नन्ही-नन्ही किरणों का जाल बनाकर सारे जग में फैला देता है और जग में फैले हुए अंधकार को दूर भगाता है। यदि एक-एक पैसा जोड़ा जाए तो बड़े से बड़ा खज़ाना भी भर जाता है। एक-एक बीज यदि प्रतिदिन बोया जाए तो सुंदर बगीचा लहलहाने लग जाता है। थोड़ा-थोड़ा ज्ञान यदि प्रतिदिन प्राप्त किया जाए तो मूर्ख व्यक्ति भी ज्ञानी बन जाता है और बूँद-बूँद मिलने पर घड़ा भी भर जाता है। प्रत्येक मनुष्य को संचय की आदत डालनी चाहिए लेकिन संचय हमेशा सही और उपयोगी वस्तु का ही करना चाहिए।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

'संचय' करना एक अच्छी आदत है लेकिन संचय सही वस्तु और आदत का होना आवश्यक है। विद्यार्थी जीवन में अच्छी आदतें डाल लेना अच्छा होता है। अपने द्वारा किए गए संचय से किसी को सहायता मिले तो इससे अच्छी बात और कोई नहीं। अपने जेबखर्च से पैसे बचाकर संचय करना और उन पैसों से किसी गरीब को पुस्तकें दिलाना या भूखे व्यक्ति को रोटी खिलाना पुण्य का काम होता है। इसी तरह के कुछ उदाहरणों की कक्षा में चर्चा करें।

पाठ का वाचन

लय के साथ शुद्ध उच्चारण करते हुए कविता को कक्षा में पढ़ें। बच्चों से अनुकरण वाचन करवाएँ। बच्चों को कविता कंठस्थ करने को कहें। कक्षा में बच्चों को भाव-भंगिमा सहित कविता सुनाने के लिए कहें। स्वयं भी कविता को पढ़ते हुए हाव-भाव सहित प्रस्तुत करें।

महत्वपूर्ण चर्चा

संचय करना क्यों आवश्यक है, इस बात पर चर्चा करें। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बच्चों से जानने की कोशिश करें –

- यदि सूरज किरणों का जाल न बनाता तो क्या होता?

- यदि तुम्हारे माता-पिता तुम्हारे लिए सुख-सुविधा देने वाली वस्तुओं का संकलन न करते तो?
- तुम्हें किस वस्तु का संचय करना अच्छा लगता है? उस वस्तु के संचय से क्या लाभ हैं?
- भविष्य में तुम क्या संचय करना चाहोगे?